



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 64] नई दिल्ली, शुक्रवार, फरवरी 17, 1984/माघ 28, 1905

No. 64] NEW DELHI, FRIDAY, FEBRUARY 17, 1984/MAGHA 28, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

कृषि मंत्रालय
(कृषि और सहकारिता विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 17 फरवरी, 1984

का.आ. 101(अ).—केन्द्रीय सरकार, आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955
(1955 का 10) की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित
है कि उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (2) के खंड (घ) और (च) के अधीन
आदेश देने की शक्ति का प्रयोग, इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट किसी भी
किस्म के पशु चारे के सम्बन्ध में, तमिलनाडु राज्य की सरकार भी उस राज्य
में करेगी।

2. यह आवेग राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रारम्भ होने वाली और 1 मई, 1984 तक समाप्त होने वाली अवधि के लिए प्रवृत्त रहेगा ।

अनुसूची

पशु चारे की किस्में

1. चावल छठल
2. कुम्बू की भूसी
3. रागी और चोलम की भूसी
4. चावल चोकर
5. गेहूं चोकर, और
6. विटेलित चावल चोकर

[संख्या 32-1/83-एल. डी. 2]

पी. एस. कोहली, अपर सचिव

MINISTRY OF AGRICULTURE
(Department of Agriculture & Cooperation)

ORDER

New Delhi, the 17th February. 1984

S.O. 101(E).—In exercise of the powers conferred by section 5 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955), the Central Government hereby directs that the power to make orders under clauses (d) and (f) of sub-section (2) of section 3 of the said Act shall, in relation to the cattle fodder of any of the varieties specified in the Schedule hereto annexed, be exercisable also be the Government of the State of Tamil Nadu in that State.

This order shall remain in force for the period commencing from the date of its publication in the Gazette of India and ending with the 1st May, 1984.

THE SCHEDULE

Varieties of Cattle Fodder

1. Paddy straw
2. Hay of cumbu
3. Hay of ragi and cholan
4. Rice bran
5. Wheat bran and
6. Deoiled rice bran.

[F. No. 32-1/83-LD III]

P. S. KOHLI, Addl. Secy.

